प्रेस विज्ञप्ति

16 जुलाई 2019

गुरु श्री गोरखनाथ ब्लड बैंक का 16 वॉ स्थापना दिवस मनाया गया। गोरखनाथ ब्लड बैंक की नीव सन 2005 मे तत्कालीन केंद्रीय स्वस्थ्य एक परिवार कल्याण मंत्री डॉ सी. पी. ठाकुर द्वारा रखी गयी थी। ये बाते ब्लड बैंक प्रभारी डॉ अवधेश अग्रवाल ने बतायी और आगे कहा की ब्लड बैंक आरंभ से ही निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहते हुए सन 2007 मे कम्पोनेंट विभाग का स्थापना कर पूर्वांचल के लिए वरदान साबित हुआ।

सन 2010 मे व्यवसायिक रक्तदाताओं को रोकने के लिए बायोमेट्रिक विधा का प्रयोग कर दूषित रक्त से छुटकारा मिला , और सुरक्षित रक्त की आपूर्ति होने लगी।

सन 2014 मे डेंगु और वायरल के कारण प्लेटलेट की कमी को देखते हुए एफेरेसिस का स्थापना किया गया।

सन 2015 मे Leucodeplated PRBC के लिए ऑटो सेल सेपरेटर की स्थापना की गयी।और इसी वर्ष नवजात शिशुओ के लिए रक्त आपूर्ति हेतु Compodock भी लगया गया।

2019 मे एक चलता फिरता ब्लड बैंक, रक्तदान वाहन आया इससे दूर दराज के स्व रक्तदाता को भी रक्तदान करने मे सुबिधा मिला।

ब्लड बैंक के कार्य प्रणाली को देखते हुए 2019 मे राष्ट्रीय एड्स कण्ट्रोल सोसायटी द्वारा इस ब्लड बैंक को मॉडल ब्लड बैंक का दर्जा मिला।

गोरखनाथ चिकित्सालय के निदेशक मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी ने कहा की ब्लड बैंक निरंतर 16 वर्षो से

निर्वाध अपनी सेवाएं दे रहा है और आगे भी गोरखनाथ भगवान की कृपा से लगातार जनमानस के कल्याण हेतु अपनी सेवाएं देता रहेगा।

डाक्टर कामेश्वर सिंह ने ब्लड बैंक की अपार सफलता एवम उपलब्धता का श्रेय ब्लड बैंक तकनीशियन एवं रक्तदाताओं को दिया साथ ही साथ यह भी बताया कि चिकित्सालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस कार्यक्रम मे ब्लड बैंक के सभी कर्मचारी के साथ चिकित्सालय के डॉ देवी प्रसाद, डॉ राकेश तिवारी, डॉ दिवाकर मिश्रा, देवेश, अनूप पाण्डेय, सुनील चौधरी, विनय गौतन इत्यादि मौजूद रहे।